आस्था | 35 किमी पैदल चलने वाले हजारों श्रद्धालुओं के सामने बड़ी चुनौती

संस्कार कांवड़ यात्रा पर बदहाल सड़कों का साया

जबलपुर। श्रावण मास के सोमवार को निकलने वाली शहर की ऐतिहासिक संस्कार कांवड़ यात्रा इस बार बदहाल सड़कों और अधूरे निर्माण कार्यों के बीच शुरू होने जा रही है। गौरीघाट से खमरिया स्थित कैलाश धाम तक निकाली जाने वाली इस यात्रा में हर वर्ष 50 हजार से अधिक श्रद्धालु नंगे पैर करीब 35 किलोमीटर की पदयात्रा करते हैं। पिछले 16 वर्षों से लगातार आयोजित हो रही इस यात्रा में शिवभक्त एक हाथ में मां नर्मदा का पवित्र जल और दूसरे हाथ में पौधा लेकर भोलेनाथ के जलाभिषेक के लिए निकलते हैं। लेकिन इस बार यात्रा मार्ग पर जगह-जगह फैले गड्ढे, उखड़ी सड़कें और बारिश के कारण बनी कीचड़ श्रद्धालुओं की आस्था की राह में बड़ी बाधा बनकर सामने खड़ी हैं। गौरीघाट से रेतनाका, रामपुर चौक, आदिगुरु शंकराचार्य चौक, शास्त्री ब्रिज, तीन पत्ती चौक, आंबेडकर चौक, घमापुर, खमरिया चौक होते हुए कैलाश धाम तक जाने वाले पूरे मार्ग की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। कई स्थानों पर सड़क का डामर पूरी तरह उखड़ चुका है और नुकीली गिट्टियां बाहर निकल आई हैं। रामपुर चौक, चंडी माता मंदिर, बादशा हलवाई मंदिर और आदर्श नगर क्षेत्र में सड़क के बीच बने गहरे गड्ढे दुर्घटना का कारण बन सकते हैं। इन रास्तों से रोजाना हजारों वाहन गुजरते हैं, वहीं कांवड़ यात्रा के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के नंगे पैर चलने से चोट लगने का खतरा और बढ़ गया है।

नहीं सुधरे हालात

अमृत योजना के तहत शहर में चल रहे पाइपलाइन और अन्य निर्माण कार्यों ने भी हालात और खराब कर दिए हैं। कांचघर, रांझी मार्ग सहित कई इलाकों में खुदाई के बाद सड़कें ठीक नहीं की गईं, जिससे बारिश के पानी के साथ मिट्टी और कीचड़ पूरे मार्ग पर फैल गई है। आंबेडकर चौक से घमापुर जाने वाले मार्ग, पेट्रोल पंप के सामने तथा व्योहारबाग स्कूल के आसपास सड़क लगभग गायब हो चुकी है और जगह-जगह गहरे गड्ढे बन गए हैं। बारिश के कारण यह रास्ता फिसलन भरा हो गया है, जिससे कांवड़ियों के साथ आम लोगों को भी भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

युद्धस्तर पर हो मरम्मत का कार्य

सामाजिक संगठनों और शहरवासियों का कहना है कि कांवड़ यात्रा शुरू होने से पहले प्रशासन को युद्धस्तर पर सड़क मरम्मत, गड्ढों की भराई और नुकीली गिट्टियों को हटाने का कार्य कराना चाहिए, ताकि श्रद्धालुओं को सुरक्षित और सुगम मार्ग मिल सके। उनका कहना है कि यह यात्रा केवल धार्मिक आयोजन नहीं बल्कि जबलपुर की सांस्कृतिक पहचान भी है, इसलिए प्रशासन को इसकी गरिमा बनाए रखने के लिए तत्काल आवश्यक कदम उठाने चाहिए। यदि समय रहते मार्ग दुरुस्त नहीं किया गया तो हजारों शिवभक्तों को अनावश्यक कठिनाइयों और चोटों का सामना करना पड़ सकता है।

जनहित के 3 मामलों में मानव अधिकार आयोग ने लिया संज्ञान

▶ मुख्य पीठ ने तलब किया कार्यवाही का प्रतिवेदन

नवभारत,जबलपुर। मप्र मानव अधिकार आयोग की मुख्य पीठ भोपाल ने जबलपुर के जनहित के तीन मामलो में स्वत: संज्ञान लिया है। आयोग के क्षेत्रीय कार्यालय प्रभारी फरजाना मिर्जा ने बताया की मीडिया रिपोर्ट के आधार पर अध्यक्ष डॉ. अवधेश प्रताप सिंह द्वारा प्रकरण पर सुनवाई करते हुये संबधितो से मामलों पर की गई कार्यवाही का प्रतिवेदन तलब किया है।

जानकारी के अनुसार जिले की तहसील पाटन के ग्राम कंतोरा के स्कूल परिसर में विद्युत मंडल द्वारा ट्रांसफार्मर रखवाने का मामला सामने आया है। ट्रांसफॉर्मर से निकले तार स्कूल परिसर में फैले हुये है। इस कारण स्कूली छात्र-छात्राओं के करंट की चपेट में आने का खतरा बना हुआ है। आयोग ने म.प्र. पू.क्षे. वि.वि.क.लि. जबलपुर के एम.डी. से मामले की जांच कराकर की गई कार्यवाही का प्रतिवेदन दो सप्ताह में तलब किया है।

नगर निगम में शामिल होने के बाद भी कई गाँवो में मूलभूत सुविधा नहीं

शहर से लगे कई गांवों में मूलभूत सुविधाओं नहीं होने का मामला सामने आया है। कई गांव वर्षों पहले नगर निगम सीमा में शामिल हो गये है, लेकिन इसके बावजूद भी ग्रामीणों को मूलभूत सुविधाएं जैसे पक्की सड़क, बेहतर स्वास्थ्य सुविधा व अन्य विकास कार्य नहीं हो पाये है। इस कारण ग्रामीणों को मूलभूत सुविधाएं नहीं मिल पा रही है और उन्हें कई परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। आयोग ने जबलपुर के नगर निगम आयुक्त से मामले की जांच कराकर, की गई कार्यवाही का प्रतिवेदन एक सप्ताह में तलब है।

विक्टोरिया में डॉक्टरों के इंतजार में खड़े रहते है मरीज

शासकीय जिला अस्पताल विक्टोरिया में पदस्थ अधिकांश डॉक्टरों के तय समय पर अस्पताल नहीं पहुंचने का मामला सामने आया है। इस कारण मरीजों को डॉक्टरों के चेंबरों के बाहर लंबी कतार लगाकर उनका घंटो इंतजार करना पड़ता है। इस बीच उन्हें कई परेशानियों का सामना करना पड़ता है। साथ ही कई डॉक्टरों के नहीं आने के कारण कई मरीज बिना इलाज के ही वापस लौट जाते है। आयोग ने जबलपुर के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी से मामले की जांच कराकर, की गई कार्यवाही का प्रतिवेदन दो सप्ताह में तलब किया है।

जर्जर सड़क और बदहाल व्यवस्था को लेकर कांग्रेस का प्रदर्शन

नवभारत, जबलपुर। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी रांझी-खमरिया के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं और स्थानीय नेताओं ने रांझी-गोकलपुर मुख्य मार्ग की बदहाल स्थिति को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने बताया कि पनेहरा व्हीकल मोड़ से रांझी व्हीकल मोड़ तक का मुख्य मार्ग अत्यंत जर्जर हो चुका है। हाल ही में अमृत-2 जल योजना के तहत पाइपलाइन बिछाने के लिए खोदी गई सड़क को ठेकेदार और निगम प्रशासन की लापरवाही के कारण बिना मरम्मत किए छोड़ दिया गया। सड़क की इस दयनीय स्थिति के कारण आए दिन राहगीर और वाहन चालक हादसों का शिकार हो रहे हैं, जिससे क्षेत्रवासियों का निकलना मुश्किल हो चुका है। प्रशासन, महापौर और स्थानीय विधायक की उपेक्षा के खिलाफ सांकेतिक विरोध दर्ज कराने के लिए कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने अनोखा तरीका अपनाते हुए सड़क के गड्ढों में 'बेशरम के पौधे' रोपे। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि प्रशासन, महापौर और स्थानीय विधायक की उपेक्षा को दर्शाने के लिए यह सांकेतिक विरोध दर्ज कराया गया है।

कांवड़ यात्रा से पहले सड़क ठीक करने की मांग

प्रदर्शनकारियों ने प्रशासन को चेताया कि आगामी 10 अगस्त को इसी मार्ग से विशाल कांवड़ यात्रा निकलने वाली है, जिसमें लाखों श्रद्धालु शामिल होंगे। यदि समय रहते सड़क ठीक नहीं की गई, तो श्रद्धालुओं को भारी परेशानी होगी। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ने प्रशासन को दो से तीन दिन का अल्टीमेटम देकर तुरंत सड़क निर्माण शुरू करने की मांग की है और काम न होने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी दी है। इस कार्यक्रम के दौरान ब्लॉक अध्यक्ष आशुतोष वत्स, पूर्व पार्षद राजेश यादव, नेम सिंग सहित अनेक कांग्रेसजन और स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

जीआरपी ने बालक को परिजनों से मिलवाया

जबलपुर। जीआरपी थाना जबलपुर ने ऑपरेशन हमदर्द के तहत एक बार फिर सराहनीय कार्य करते हुए घर से भटककर रेलवे स्टेशन पहुंचे 12 वर्षीय बालक अभिराज सिंह जादौन को सकुशल उसके परिजनों से मिलाया। गणेश कॉलोनी, थाना सुजालपुर, शाजापुर निवासी बालक रेलवे स्टेशन जबलपुर पर अकेला मिला, जिसे जीआरपी स्टाफ ने सुरक्षित संरक्षण में लेकर थाने पहुंचाया। पूछताछ के दौरान बालक से मिली जानकारी के आधार पर उसके परिजनों से मोबाइल फोन के माध्यम से संपर्क किया गया। इसके बाद बालक के पिता शैलेन्द्र सिंह जादौन एवं मामा गजेन्द्र सिंह जीआरपी थाना जबलपुर पहुंचे। आवश्यक वैधानिक कार्रवाई पूरी करने के बाद बालक को सुरक्षित उनके सुपुर्द कर दिया गया। अपने पुत्र को सकुशल वापस पाकर परिजनों ने जीआरपी जबलपुर का आभार व्यक्त किया।

तालाब में डूबने से बालक की मौत

▶ नहाते समय हुआ हादसा

नवभारत,जबलपुर। बरगी थाना अंतर्गत ग्राम खमरिया तालाब में रविवार दोपहर नहाते समय डूबने से 13 साल के बालक की मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक विष्णु यादव 36 वर्ष निवासी खमरिया का रेल्वे में प्वाईट मैन की नौकरी शिकारा में करता है। रविवार दोपहर 12 बजे उसका बेटा राजा यादव घर से नहाने जाने का कहकर घर से निकला था जहां नहाते समय राजा खमरिया के तालाब में गहरे पानी में चला गया चंद ही पलों डूब गया। भांजे कम्मू यादव की सूचना मिलते ही विष्णु के पैरों तले जमीन खिसक गई। परिजनों के साथ वे राजा की तलाश में पहुचा। कड़ी मशक्कत के बाद राजा 13 वर्ष का शव निकाला गया। हादसे के बाद परिजनों में मातम पसर गया है उन्हें यकीन नहीं हो रहा है कि हंसी खुशी घर से निकला उनका बेटा अब इस दुनिया में नहीं रहा । परिजनों का रो-रोककर बुरा हाल है। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

हैलमेट पहनकर आए कार सवारों ने तीन दुकानों के सामने रखी जादू-टोना से जुड़ी सामग्री

जबलपुर। बिलहरी क्षेत्र में रविवार सुबह से दहशत का माहौल रहा दरअसल देर रात हैलमेट पहनकर आए कार सवारों ने तीन दुकानों के सामने जादू-टोना से जुड़ी सामग्री रख दी घटना आसपास के दुकानों में लगे सीसीटीवी में कैद हो गई, जिससे हड़कम्प मच गया।

चर्चाओं में यह बात सामने आई है कि हैलमेट पहनकर कार से आए तीन युवक बिलहरी रोड पर उतरे और उन्होने तीन दुकानों के सामने जादू-टोना से जुड़ी सामग्री रखी और कार में बैठकर बरेला की ओर भाग निकले सुबह जब व्यापारी अपनी दुकानें खोलने के लिए पहुंचे तो उन्होंने दुकानों के बाहर अजीबोगरीब चीजें पड़ी हुई देखीं जिसे देखकर उनके होश उड़ गए. देखते ही देखते यह खबर पूरे इलाके में आग की तरह फैल गई और बड़ी संख्या में स्थानीय लोग तथा व्यापारी मौके पर एकत्र हो गए इस अजीबोगरीब घटना को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं होने लगीं और लोग इस बात से बेहद चिंतित नजर आए कि रात के सन्नाटे में इस तरह की हरकत किसने और क्यों की होगी।

धमाके के साथ हवा में उड़ा सिलेंडर का नोजल, बगलामुखी मंदिर में टला बड़ा हादसा

नवभारत, जबलपुर। सिविक सेंटर स्थित प्रसिद्ध मां बगलामुखी मंदिर के पास रविवार शाम एक वेल्डिंग दुकान में काम के दौरान गैस सिलेंडर का नोजल अचानक ढीला होकर निकल गया। भारी दबाव के कारण लोहे का यह टुकड़ा रॉकेट की तरह हवा में उछला और सीधे मंदिर परिसर के अंदर जा गिरा। अचानक हुए इस घटनाक्रम से अफरा-तफरी मच गई थी। हालांकि बड़ा हादसा होने से टल गया। लार्डगंज थाना प्रभारी नवल आर्य ने बताया कि सिविक सेंटर स्थित मां बगलामुखी मंदिर के ठीक पास एक वेल्डिंग की दुकान है। यहाँ कर्मचारी रोजाना की तरह गैस वेल्डिंग का काम कर रहे थे। इसी दौरान शाम करीब 6 बजे सिलेंडर का नोजल ढीला होने के कारण अचानक बाहर निकल गया। दबाव इतना तेज था कि लोहे का नोजल पेड़ से टकराने के बाद सीधे मंदिर प्रांगण के भीतर जाकर गिरा। प्रसिद्ध मंदिर होने के कारण यहाँ श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी रहती है। अचानक तेज आवाज के साथ लोहे का भारी टुकड़ा गिरने से प्रांगण में मौजूद लोग सहम गए। गनीमत यह रही कि लोहे का टुकड़ा किसी श्रद्धालु को नहीं लगा, जिससे एक बड़ी दुर्घटना टल गई और किसी भी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। कंट्रोल रूम से मिली सूचना के आधार पर लार्डगंज पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। थाना प्रभारी के अनुसार, इस मामले में अभी तक किसी भी पक्ष की ओर से कोई लिखित शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है। पुलिस अपने स्तर पर जांच कर रही है।

शादी के 20 दिन बाद दहेज के लिये प्रताड़ना, तीन तलाक दे घर से निकाला

▶ दहेज लोभियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज

जबलपुर। हनुमानताल थाना अंतर्गत बाबा टोला निवासी एक नवविवाहिता को शादी के बीस दिन बाद से ही दहेज लोभियों के द्वारा प्रताड़ित किया जाने लगा। डिमांड पूरी नहीं हुई तो पति ने तीन तलाक देकर उसे घर से निकाल दिया। पीड़िता ने महिला थाने पहुंचकर आपबीती सुनाई । जिसके बाद पुलिस ने दहेज लोभियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है।

पुलिस के मुताबिक मुस्कान शेख 25 वर्ष निवासी बाबा टोला हनुमानताल ने लिखित शिकयत की कि उसकी सगाई उसकी खाला शहजादी पठान के माध्यम से 16 मई 25 को अमखेरा रोड गोहलपुर निवासी मोह. राशिद अंसारी के साथ हुई थी। सगाई के बाद राशिद एवं राशिद के पिता महराजुद्दीन एवं मां साहीन अंसारी के द्वारा सोने की अंगूठी, चेन, एक्सिस, सोफा, पलंग व गृहस्थी का सामान दिये थे।

शादी के बाद 20 दिन अच्छे से रखे फिर सोने के हार व चूढी की मांग करने लगे, शादी के बाद से पति, ससुर एवं सास मिलकर कम दहेज लाने की बात को लेकर शारीरिक एवं मानसिक रूप से प्रताड़ित करते हुये 5 लाख रूपये मायके से लाने को कहने लगे, पति बोला 5 लाख व जेवर मायके से नहीं लायी तो तलाक दे दूंगा। उसके पिता घर आकर समझाये तो पति ने उसे 3 बार तलाक-तलाक कह दिया। उसकी मॉं ने शादी के पूर्व सास को 40 हजार रूपये दिये थे, मॉं ने पैसे वापस मांग लिये इस कारण उसके प्रताड़ित किये। पति ने उसे घर से निकाल दिया। ससुर बोला कि 5 लाख रूपये लेकर आना तभी अच्छे से रखेंगे।

दहेज में 5 लाख की डिमांड, जेवर हड़पे मिर्गी की बीमारी का बहाना

गढ़ा निवासी नवविवाहिता से दहेज में पांच लाख रूपए की मांग पूरी नहीं हुई तो दहेज लोभियों ने जेवर हड़पने के बाद महिला को मिर्गी की बीमारी बताकर उसे मायके भेज दिया। पुलिस ने रिपोर्ट पर प्रकरण दर्ज कर लिया है । पुलिस के मुताबिक सिद्धा देवी 34 वर्ष निवासी बावली गढा की शादी 4 दिसम्बर 25 को आशुतोष निमझा निवासी मिलौनीगंज के साथ हुई थी पति फूड कार्पोरेशन ऑफ इंडिया में नौकरी करते है। शादी में कम दहेज मिलने को लेकर उसके पति एवं सास देवी कोष्टा, जेठ अभिजीत कोष्टा, जेठानी भाग्यश्री कोष्टा उलाहना देते हुये 5 लाख रूपये एवं अन्य वस्तुओं की मांग करने लगे, जब उसने विरोध किया तो उसके साथ मारपीट करने लगे। स्वास्थ खराब हो गया था मेडिकल रिपोर्ट नार्मल आने पर भी ससुराल वाले कहने लगे पुरानी मिर्गी की बीमारी है। माता पिता को बुलवाकर उसे मायके भिजवाया दिया। उसके जेवर सभी रख लिये तभी से वह अपने मायके में रह रही है। दहेज में उससे 5 लाख रूपये की मांग करते है।

पुलिस कार्यशैली | कायमी अपलोड नहीं : कहीं अपराध पर पर्दा डालने तो नहीं छिपाया जा रहा क्राइम डेटा

सिटीजन पोर्टल पर थानों में दर्ज एफआईआर गायब

नवभारत, जबलपुर। पुलिसिंग को हाईटेक और पारदर्शी बनाने के दावों की जमीनी हकीकत मध्यप्रदेश पुलिस का सिटीजन पोर्टल कुछ और ही बयां कर रहा है। दरअसल मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा नागरिकों के लिए सीसीटीएनएस पोर्टल विकसित किया गया है। यह सीसीटीएनएस भारत सरकार का एक मिशन मोड प्रोजेक्ट है। इस प्रोजेक्ट के अन्तर्गत प्रदेश के सभी पुलिस स्टेशन और वरिष्ठ पुलिस कार्यालयों को कम्प्यूटराईज्ड किया जाकर पूरे देश में जोडा गया है। जिसमें घर बैठे ई-एफआईआर दर्ज करने के साथ एफआईआर देख सकते है लेकिन मध्य प्रदेश गृह विभाग अंतर्गत स्टेट क्राइम रिकॉर्ड्स ब्यूरो की वेबसाइट में जबलपुर के थानों में दर्ज होने वाली एफआईआर को 24 घंटे के भीतर सार्वजनिक करने के कड़े आदेशों को ठेंगा दिखा जा रहा है। आलम यह है कि केस दर्ज होने के कई दिन बीत जाने के बाद भी एफआईआर को ऑनलाइन अपलोड नहीं किया जा रहा है। जबकि प्रदेशभर के थानों को सीसीटीएनएस (क्राइम एंड क्रिमिनल ट्रैकिंग नेटवर्क सिस्टम) से जोड़ा गया है। इसका मुख्य उद्देश्य आम जनता को त्वरित न्याय और पारदर्शिता देना है। इसके बावजूद मध्यप्रदेश पुलिस के आधिकारिक सिटीजन पोर्टल पर जिले किसी भी थाने में कई दिनों से पिछले 24 से 48 घंटों में दर्ज हुई एफआईआर नजर नहीं आ रही हैं। पुलिस की इस सुस्ती ने पूरे सिस्टम की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। साथ ही यह सवाल भी उठ रहा है कि कहीं अपराध पर पर्दा डालने तो क्राइम डेटा नहीं छिपाया जा रहा। जबकि थानों के चक्कर काटने से बचाने के लिए ऑनलाइन व्यवस्था शुरू की गई थी लेकिन एफआईआर समय पर ऑनलाइन न होने के कारण सबसे ज्यादा परेशानी पीड़ितों को उठानी पड़ रही है। विदित हो कि मध्य प्रदेश पुलिस का सिटिज़न पोर्टल नागरिकों की सुवधिाएं के लिए घर बैठे ई एफआईआर के साथ दर्ज एफआईआर देखने के अलावा सभी पुलिस अधिकारी आपस में एक दूसरे के सम्पर्क में आकर कार्य कर सकते है एवं अपराध व अपराधियों की जानकारी का तत्काल आदान प्रदान कर सकते है। इसके अलावा आम नागरिक गुम सम्पत्ति जैसे मोबाइल फोन, सिम कार्ड, दस्तावेज इत्यादि की सूचना पुलिस को दे सकते है, पावती प्राप्त कर सकते है। आम नागरिक किसी घटना, संदिग्ध गतिविधि की जानकारी आसानी से बिना अपनी पहचान बताये पुलिस को दे सकते है। आम नागरिक पुलिस के साथ सतत संवाद, कर फीड बैक दे सकते है। आम नागरिक के लिए गुम इंसान, अज्ञात मृत शव से संबंधित सूचनाएं उपलब्ध है। आम नागरिक के लिए चोरी गए वाहनो, पुलिस द्वारा बरामद, जप्त वाहनों में खोज की सुविधा इंजिन नं./ चेंसीस नं./ रजिस्ट्रेशन नं. के आधार पर पोर्टल में उपलब्ध है। राष्ट्रीय स्तर की सेवाओं के लिए डिजिटल पुलिस नागरिक सेवाएँ पोर्टल भी उपलब्ध है।

कार्यप्रणाली पर संदेह गहराया

जानकारों की माने तो संवेदनशील मामलों (जैसे पोक्सो एक्ट, दुष्कर्म या राष्ट्रीय सुरक्षा) को छोड़कर सभी सामान्य मामलों की एफआईआर सार्वजनिक करना अनिवार्य है। ऐसे में कई दिनों तक एफआईआर पोर्टल पर न दिखने से अब पुलिस की कार्यप्रणाली पर संदेह गहरा रहा है। चर्चा है कि मामले को दबाने के लिए एफआईआर को जानबूझकर देरी से अपलोड किया जाता है।

ऐसे पता चली अव्यवस्था

नवभारत ने रविवार रात्रि 8 बजे तक पड़ताल की तो पता चला कि शहर से लेकर ग्रामीण अंचल के किसी भी थाने में दर्ज एफआईआर पोर्टल पर ऑनलाइन अपलोड नहीं हो रही है। पड़ताल के दौरान पता चला कि 20 जुलाई तक पोर्टल पर दर्ज अपराध दर्ज किए गए थे 21 जुलाई से 2 अगस्त रात्रि 8 बजे तक कोई भी कायम दर्ज नहीं हुई थी। हालांकि केवल एक्सीडेंट के मामले जरूर नजर आ रहे थे। जानकार बताते है कि यह खेल लंबे समय से चल रहा है। इस पोर्टल पर प्रतिदिन नहीं हफ्ते या फिर 15 दिन बाद एक साथ सारी एफआईआर अपलोड कर दी जाती थी।

कॉल नहीं हुआ रिसीव

यह वेबसाइट मध्य प्रदेश के गृह विभाग के अंतर्गत स्टेट क्राइम रिकॉर्ड्स ब्यूरो की है। सेवाओं से जुड़ी किसी भी परेशानी के मामले में इस वेबसाइट पर मोबाइल नंबर 0755-3501600 दिया हुआ था जब जबलपुर थानों में दर्ज एफआईअ ार दर्ज न होने कारण जानने के लिए इस नंबर पर कॉल किया गया तो कॉल रिसीव नहीं किया गया।

स्वत्वाधिकारी रामगोपाल इन्वेस्टमेंट प्राईवेट लिमिटेड हेतु लेसी एंगेज मीडिया प्रा.लि. के लिए आशीष श्रोती द्वारा नेपियर टाऊन बस स्टैण्ड जबलपुर से प्रकाशित एवं नेपियर टाऊन बस स्टैण्ड जबलपुर से मुद्रित. स्थानीय संपादक अविनाश दीक्षित*, *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत जिम्मेदार, फोन-0761-4109072, E mail-navbharatjabalpur@gmail.com पो.रजि.नं.201-04/2003 RNI Reg No.1537/57